दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 24-03-2026

समाज और देश की उन्नति के लिए कार्य करें युवा: प्रो. रामपाल सैनी

जींद। शहीदों को सैल्यूट करते कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ।

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में श्रद्धा और सम्मान के साथ शहीदी दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के सभी वीर शहीदों को नमन किया। वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि शहीदी दिवस हमें उन महान वीरों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को ब्रिटिश हुकुमत द्वारा फांसी दी गई थी। इन महान क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का सच्चा मार्ग दिखाया। शहीदों का बलिदान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। वीसी ने कहा कि शहीदी दिवस मनाने का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं है, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करना भी है। आज के समय में हमें इन महान वीरों के आदर्शों को अपनाकर चलना चाहिए।

पंजाब केसरी
TUE,24 MARCH 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

शहीदों के बलिदान को सी.आर.एस.यू. में किया नमन

सी.आर.एस.यू. में शहीदों को नमन करते वी.सी.।

जींद, 23 मार्च (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में शहीदी दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के सभी वीर शहीदों को नमन किया।

कुलगुरु ने कहा कि शहीदी दिवस हमें उन महान वीरों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी और सम्मान के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि 23 मार्च का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव थापर और राजगुरु को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा फांसी दी गई थी। इन महान क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का सच्चा मार्ग दिखाया।

उन्होंने कहा कि महान सेनानियों का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। शहीदों का बलिदान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा है जो हमें अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा कि शहीदी दिवस मनाने का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं है, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करना भी है। आज के समय में हमें इन महान वीरों के आदर्शों को अपनाकर समाज और देश की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौके पर सभी शिक्षक कर्मचारी, गैर शिक्षक कर्मचारी शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने मिलकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 24 Mar 2026 - Page

सीआरएसयू में शहीदों को किया नमन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि में शहीदी दिवस बड़े ही सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलगुरु ने कहा कि शहीदी दिवस हमें उन महान वीरों के बलिदान की याद दिलाता हैए जिन्होंने देश की आजादी और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि 23 मार्च का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा फांसी दी गई थी।

महान वीरों के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र हित में करें कार्य : रामपाल सैनी

जींद, ब्यूरो (इंडिया टाइमर) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीदी दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के सभी वीर शहीदों को नमन किया। सभी को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि शहीदी दिवस हमें उन महान वीरों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि 23 मार्च का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव थापर और राजगुरु को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा फांसी दी गई थी। इन महान क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का सच्चा मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि महान सेनानियों का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। शहीदों का बलिदान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा है जो हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। कुलगुरु ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि शहीदी दिवस मनाने का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं है, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करना भी है। आज के समय में हमें इन महान वीरों के आदर्शों को अपनाकर समाज और देश की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर सभी शिक्षक कर्मचारी गैर शिक्षक कर्मचारी शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने मिलकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

अमर उजाला

Date-24.03.2026

शहीद दिवस पर क्रांतिकारी भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

सीआरएसयू कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर अर्पित किए पुष्प

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने शहीद पवन खटकड़ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के सभी वीर शहीदों को नमन किया।

कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि शहीद दिवस हमें उन महान वीरों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि 23 मार्च का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव थापर और राजगुरु को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा फांसी दी थी।

इन महान क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया और आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का सच्चा मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि शहीद दिवस मनाने का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं है बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करना है।

शहीद पवन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति रामपाल सैनी। स्रोत : विवि